परिशिष्ट सारणी 14 : राज्यों के योजनेतर विकासेतर व्यय

(राशि करोड़ रुपए में)

वर्ष	2006-07 (लेखा)	2007-08 (संशोधित अनुमान)	2008-09 (बजट अनुमान)
1	2	3	4
I. योजनेतर विकासेतर राजस्व व्यय (1 से 6)	2,05,207 (10.7)	2,30,016 (12.1)	2,65,357 (15.4)
1. राज्य सरकारों के विभाग और संस्थाएं	4,709 (16.0)	5,442 (15.6)	6,069 (11.5)
2. राजकीय सेवाएं	10,005 (6.6)	8,775 (-12.3)	9,711 (10.7)
3. ब्याज अदायगी और ऋणों की चुकौती	1,00,630 (11.3)	1,10,066 (9.4)	1,15,186 (4.7)
जिसमें से:			
ब्याज अदायगी	93,136 (10.9)	1,02,878 (10.5)	1,08,383 (5.4)
जिसमें से:			
केन्द्र से प्राप्त ऋण पर ब्याज	13,181 (0.2)	13,470 (2.2)	12,683 (-5.8)
4. प्रशासनिक सेवाएं	37,343 (12.5)	44,056 (18.0)	60,433 (37.2)
5. पेंशन	46,861 (15.3)	56,002 (19.5)	62,728 (12.0)
6. पुटकर सामान्य सेवाएं	5,661 (-26.0)	5,675 (0.3)	11,230 (97.9)
II. योजनेतर विकासेतर पूंजी संचितरण (1 + 2)*	1,464 (91.2)	2,844 (94.3)	2,013 (-29.2)
1. योजनेतर विकासेतर पूंजी परिव्यय	881 (138.3)	2,228 (152.9)	1,216 (-45.4)
2. राज्यों द्वारा योजनेतर विकासेतर ऋण और अप्रिम	583 (47.2)	616 (5.7)	797 (29.3)
III. कुल योजनेतर विकासेतर व्यय	2,06,671 (11.0)	2,32,860 (12.7)	2,67,370 (14.8)

* इसमें केंद्र के ऋणों की चुकौती और आंतरिक ऋण से मुक्ति शामिल नहीं है।

टिप्पणी : 1. कोष्ठक के आंकड़े पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत घट-बढ़ दर्शाते हैं।

2. जम्मू और कश्मीर तथा शराखंड के वर्ष 2006-07 (लेखा) के योजनेतर आंकड़े संशोधित अनुमान से संबंधित हैं।

स्रोत : राज्य सरकारों के बजट दस्तावेज।